

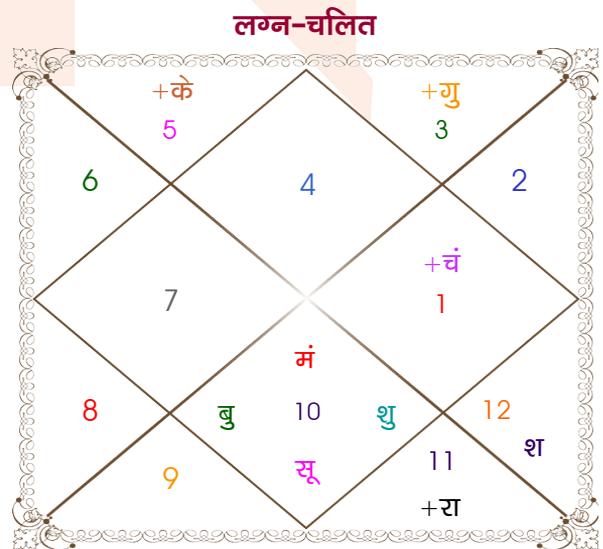
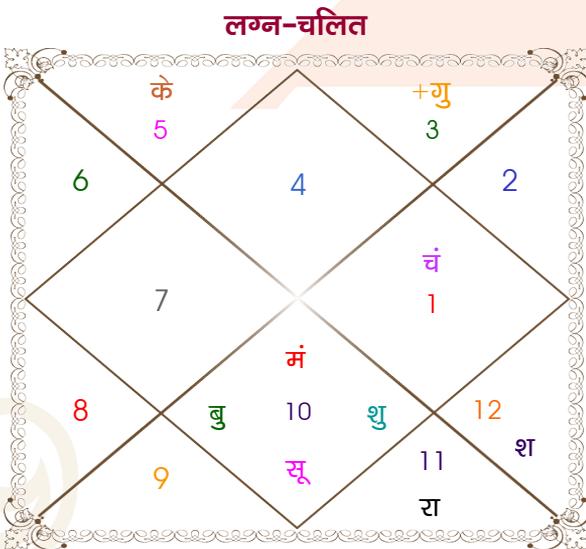


**Model: Web-FreeMatching**

**Order No: 121058502**

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/01/2026 :	जन्म तिथि	: 26/01/2026
सोमवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 17:12:00 :	जन्म समय	: 17:12:00 घंटे
घटी 26:31:31 :	जन्म समय(घटी)	: 26:31:31 घटी
India :	देश	: India
Patna :	स्थान	: Ghaziabad
25:37:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:40:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:35:23 :	सूर्योदय	: 07:11:37
17:28:21 :	सूर्यास्त	: 17:54:18
24:13:23 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 24:13:23

<b>विंशोत्तरी</b>		<b>अंश</b>	<b>राशि</b>	<b>ग्रह</b>	<b>राशि</b>	<b>अंश</b>	<b>विंशोत्तरी</b>	
<b>शुक्र 15वर्ष 10मा 26दि</b>		09:36:26	कर्क	लग्न	कर्क	04:10:02	<b>शुक्र 15वर्ष 10मा 26दि</b>	
<b>शुक्र</b>		12:18:12	मक	सूर्य	मक	12:18:12	<b>शुक्र</b>	
<b>26/01/2026</b>		16:03:47	मेष	चंद्र	मेष	16:03:47	<b>26/01/2026</b>	
<b>23/12/2041</b>		08:11:45	मक	मंगल	मक	08:11:45	<b>23/12/2041</b>	
	26/01/2026	15:36:53	मक	बुध	मक	15:36:53		26/01/2026
सूर्य	23/04/2026	23:46:51	मिथु	गुरु	मिथु	23:46:51	सूर्य	23/04/2026
चन्द्र	23/12/2027	17:02:04	मक	शुक्र	मक	17:02:04	चन्द्र	23/12/2027
मंगल	21/02/2029	03:53:26	मीन	शनि	मीन	03:53:26	मंगल	21/02/2029
राहु	22/02/2032	15:11:58	कुंभ	राहु	कुंभ	15:11:58	राहु	22/02/2032
गुरु	23/10/2034	15:11:58	सिंह	केतु	सिंह	15:11:58	गुरु	23/10/2034
शनि	23/12/2037	03:16:08	वृष	हर्ष	वृष	03:16:08	शनि	23/12/2037
बुध	23/10/2040	05:46:14	मीन	नेप	मीन	05:46:14	बुध	23/10/2040
केतु	23/12/2041	09:17:52	मक	प्लूटो	मक	09:17:52	केतु	23/12/2041



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>28.00</b>		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।**

**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

**निष्कर्ष**

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

